



## माननीय उपमुख्यमंत्री जी "वीबी जी राम जी" योजनान्तर्गत एमएनआईटी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए

जी राम जी योजना के अन्तर्गत 125 दिन का रोजगार व प्रतिदिन 300 रुपये श्रमिकों को मिलेगी पारिश्रमिक की गारंटी, 7 दिन में होगा पारिश्रमिक का भुगतान-मा0 उपमुख्यमंत्री, जी राम जी योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण विकास ढांचे को विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के साथ संरेखित करना है- मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने लाभार्थियों को प्रशंसा पत्र, स्वीकृति पत्र एवं आवास योजना के लाभार्थियों को चाबी प्रदान कर किया लाभान्वित

रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) योजना के राष्ट्रीय स्तर पर "लांच" कार्यक्रम तिरुपति, आन्ध्र प्रदेश में किया गया, जिसका मोती लाल नेहरू इंजीनियरिंग

आवास योजना के लाभार्थियों को चाबी प्रदान की गयी। राष्ट्रीय स्तर पर तिरुपति में आयोजित कार्यक्रम में माननीय केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के

में मा0 उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने सम्बोधन में वीबी जी राम जी योजना के लॉन्चिंग की सभी को बधाई देते हुए कहा कि वीबी जी राम जी योजना के अन्तर्गत

के अन्तर्गत 7 दिनों में श्रमिकों के पारिश्रमिक भुगतान की व्यवस्था बनायी गयी है। उन्होंने बताया कि जी राम जी योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को 125 दिन की वैधानिक मजदूरी, रोजगार गारंटी प्रदान करने, ग्रामीण विकास ढांचे को विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण के साथ संरेखित करना है। जी राम जी योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी और उत्पादक रोजगार सृजन करना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और संवर्धन, ग्राम पंचायतों की विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन, ग्रामीण युवाओं, महिलाओं एवं कमजोर वर्गों की आर्थिक भागीदारी में वृद्धि तथा स्थानीय स्तर पर टिकाऊ परिसम्पत्तियों का सृजन है। मा0

कि प्रधानमंत्री आवास बनाने में उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है। कहा कि शहर के साथ-साथ ग्रामसभा में भी अब सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही हैं। यदि ग्राम सभा में किसी पात्र लाभार्थी को प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री आवास के तहत चिन्हित किया गया है और उसके पास जमीन नहीं है, तो डबल इंजन की सरकार उस लाभार्थी को जमीन का पट्टा के माध्यम से उसको जमीन उपलब्ध कराकर उसका मकान बनवाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार में गरीबों को अमीर बनाने का कार्य किया जा रहा है। सरकार अन्तिम पायदान के व्यक्ति के साथ खड़ी है, हर पात्र लाभार्थी को केन्द्र व प्रदेश

रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में अमृत सरोवर बनाने में उत्तर प्रदेश का देश में प्रथम स्थान है। कहा कि ग्राम स्तर पर बैठक कर ग्राम सभा के विकास के लिए विस्तृत कार्ययोजना बनायी जाये और उसके अनुरूप कार्य किया जाये, जिससे कि ग्राम सभा को विकसित ग्राम सभा बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व व मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में पारदर्शी तरीके से योजनाओं का क्रियान्वयन हो रहा है। अब सभी श्रमिकों के पारिश्रमिक का भुगतान उनके खाते में पारदर्शी तरीके से समय से पहुँच रहा है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास के अन्तर्गत श्रमिकों को प्रशिक्षण प्रदान करके

सरकार का लक्ष्य और संकल्प है कि प्रदेश में एक भी कच्चा मकान न रहे, इसके लिए सभी पात्र लाभार्थियों को चिन्हित कर उनको आवास योजना के तहत आवास उपलब्ध कराये जा रहे हैं। मा0 प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश आर्थिक महाशक्ति बन रहा है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार उद्यमियों और व्यापारियों को हर-सम्भव सहायता प्रदान कर उन्हें प्रदेश में निवेश हो रहा है और टैक्स कलेक्शन भी कई गुना बढ़ा है, जिससे देश व प्रदेश समृद्धि की ओर अग्रसर है। देश व प्रदेश में समूह की दीर्घियों को स्वावलम्बी व आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तीकरण मा0 प्रधानमंत्री जी की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। कहा कि सरकार के द्वारा कानून व्यवस्था को सुस्त-दृष्टि बनाने का कार्य किया गया है, जिससे कि सभी को सुरक्षा का माहौल मिला है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ0 वी0के सिंह, मा0 विधायक फूलपुर श्री दीपक पटेल, मा0 विधायक फाफामऊ श्री गुरु प्रसाद मौर्य, मा0 विधान परिषद सदस्य श्री सुरेन्द्र चौधरी, डॉ0 के0पी0 श्रीवास्तव, भाजपा महानगर अध्यक्ष श्री संजय गुप्ता, गंगापार अध्यक्ष श्रीमती निर्मला पासवान सहित अन्य मा0 जनप्रतिनिधिगणों के अलावा मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, परियोजना अधिकारी श्री भूपेन्द्र कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी श्री जी0पी0 कुशवाहा, उपायुक्त श्री रोजगार श्री गुलाब चंद्र, जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री दिनेश सिंह सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।



कालेज के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में सजीव प्रसारण भी किया गया। इस अवसर पर

लोगों से जी राम जी योजना के विषय पर संवाद कार्यक्रम में जनपद प्रयागराज के विकास खण्ड

कार्य करने वाले श्रमिकों के पारिश्रमिक को 252 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये प्रतिदिन कर दिया गया है। कहा कि मनरेगा के तहत पहले 100 दिन रोजगार की गारंटी मिलती थी, परंतु जी राम जी योजना के अन्तर्गत इसे बढ़ाकर 125 दिन रोजगार की गारंटी उपलब्ध कराये जाने की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने कहा कि पहले मनरेगा में लीकेज था, जिसके कारण बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार होता था, लेकिन अब वीबी जी राम जी योजना के तहत लीकेज को रोकने के लिए प्रावधान बनाये गये हैं, जिससे भ्रष्टाचार खत्म होगा। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में विकसित भारत, मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में विकसित उत्तर प्रदेश बनाने के लक्ष्य के साथ-साथ अब हमारा लक्ष्य विकसित ग्राम सभा बनाने का है। पहले श्रमिकों को मनरेगा योजना के तहत उनके पारिश्रमिक का भुगतान 15 दिनों में किया जाता था, अब इस योजना



उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जी राम जी योजना के लाभार्थियों को अन्य विभिन्न योजनाओं के लाभ से भी लाभान्वित किए जाने की व्यवस्था की गयी है। उन्होंने कहा

सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित कर उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में अमृत सरोवरों के निर्माण का कार्य जी राम जी योजना के तहत कराया जायेगा, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को

आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे वे श्रमिक से आगे बढ़कर राजमिस्त्री या अन्य क्षेत्रों में भी आगे बढ़ सकें। ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन को रोकने के लिए सरकार के द्वारा लोकाल स्तर पर इस योजना के अन्तर्गत लोगों को काम उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। माननीय उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य गुरुवार को मोती लाल नेहरू इंजीनियरिंग कालेज के ऑडिटोरियम में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) "वीबी जी राम जी" योजना "लांच"



कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। मा0 केन्द्रीय ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में विकसित भारत-गारंटी फॉर

बीबीएस कालेज के छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गयी। आयोजित कार्यक्रम में मा0 उपमुख्यमंत्री जी के द्वारा लाभार्थियों को प्रशंसा पत्र, स्वीकृति पत्र एवं

कौड़िहार निवासी श्री रंजीत कुमार मौर्या के द्वारा एमएनआईटी में आयोजित कार्यक्रम में ऑनलाइन माध्यम से योजना के बारे में संवाद किया गया। आयोजित कार्यक्रम



### INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES




ADDRESS- Naini, Prayagraj U.P.-211008. PAN No. ABJPA1540R, Reg.No.03-0068604

**Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453 +91-7985619757, +91-7007472337**

**We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/ Institute/ Hospital/ Office Premises**

#### INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-

takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, Industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

**INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-**

**Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of India)**

**FOR JOB CONTACT:- 9569430885**

#### INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-

**Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement**



## पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया

**पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव गरीब व दलित मजदूर के मसीहा, उनके राज्य में हर कोई सुखमय**

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) वाराणसी/हरहुआ। समाजवादी

धर्मेंद्र सिन्हा यादव, जिन्हें राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव

जनहित की राजनीति की नई मिसाल कायम करेगा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुजीत लक्कड़ यादव पहलवान, शिवपुर विधानसभा अध्यक्ष अक्षय कुमार बबलू प्रधान, अवधेश पाठक, मीडिया प्रभारी एडवोकेट संतोष यादव, लाल बाबू सोनकर, भीम भीष्म, नारायण यादव, डॉ. उमाशंकर यादव, जितेंद्र यादव, दिनेश यादव, पूर्व विधायक उदयलाल मौर्य, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष संजय मिश्रा, अजय बबलू मौर्य, आकाश मौर्य, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रामबालक पटेल, विरजुन सोनकर, पूर्व एमएलसी उमेश यादव प्रधान, एडवोकेट सुनील यादव, संजय सोनकर प्रधान, जिला पंचायत



पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिवस के अवसर पर पांडेपुर स्थित पंडित दीनदयाल हॉस्पिटल में समाजसेवा का अन्तु कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर लगभग 200 मरीजों को फल वितरित कर उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के उत्तर प्रदेश राज्य कार्यकारिणी सदस्य धर्मेंद्र सिन्हा यादव ने कहा कि माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का व्यक्तित्व करोड़ों कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके नेतृत्व में समाजवादी विचारधारा, सामाजिक न्याय, संविधान, लोकतंत्र, किसानों, नौजवानों, महिलाओं, गरीबों, पिछड़ों, दलितों एवं वंचित समाज के अधिकारों की लड़ाई निरंतर मजबूती के साथ आगे बढ़ रही है। उन्होंने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर जनसेवा की कामना करते हुए जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

के बेहद करीबी एवं समर्पित कार्यकर्ताओं में माना जाता है, ने कहा कि उनके मार्गदर्शन और नेतृत्व में समाजवादी आंदोलन



नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में अखिलेश यादव के नेतृत्व में प्रदेश विकास, सामाजिक समरसता और

सदस्य रामशारी यादव, जय हिंद, पूर्व जिला पंचायत सदस्य अखिलेश यादव सहित बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

## पुलिस आयुक्त व जिलाधिकारी के द्वारा उ.प्र शिक्षक पात्रता परीक्षा-2026 के लिए बनाये गये परीक्षा केन्द्रों का किया गया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। पुलिस आयुक्त श्री जोगेन्द्र कुमार व जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा के द्वारा उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा वयन आयोग द्वारा दिनांक 02, 03 एवं 04 जुलाई को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपी टीईटी)-2026 परीक्षा के प्रथम दिवस पर परीक्षा को निर्धारित प्रक्रियानुसार सफुल्ल, निर्विघ्न, निष्पक्ष, नकलबिहीन व शुचितापूर्ण ढंग से सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत गुरुवार को श्री रणजीत पंडित इण्टर कालेज, कैपी गार्ल्स इण्टर कालेज, द्वारका प्रसाद गर्ल्स इण्टर कालेज सहित विभिन्न विद्यालयों में बनाये गये परीक्षा केन्द्रों का औत्तम निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान

जिलाधिकारी ने परीक्षा केन्द्र पर अभ्यर्थियों के प्रवेश की व्यवस्था, पहचान सत्यापन प्रक्रिया, सीसीटीवी निगरानी, सुरक्षा प्रबंध, बैठने की व्यवस्था, पेयजल, प्रकाश एवं विद्युत आपूर्ति सहित विभिन्न व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा कक्षाओं में जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा केन्द्र व्यवस्थापक एवं संबंधित अधिकारियों को आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों, केन्द्र व्यवस्थापकों को जिम्मेदारी, संवेदनशीलता व निर्धारित गाइडलाइन का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित

करते हुए परीक्षा को सफुल्ल ढंग से सम्पन्न कराये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा को सफुल्ल सम्पन्न कराये जाने हेतु नियुक्त सेक्टर मजिस्ट्रेटों को परीक्षा अवधि के दौरान अपने सेक्टर के परीक्षा केन्द्रों पर भ्रमणशील रहकर परीक्षा को सफुल्ल ढंग से सम्पन्न कराने एवं परीक्षा की समाप्ति के उपरांत परीक्षा सामग्री को जमा कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा केन्द्रों पर नियुक्त स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा वयन आयोग द्वारा निर्मित निर्देशों के अनुसार परीक्षा केन्द्रों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ एवं अपेक्षित कार्यवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

सिरमौर बुद्ध विहार गंगौली सोड़या अमेठी की आपात् कालीन बैठक सम्पन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) संस्थान के प्रबंधक सुखदेव बौद्ध गौरीगंज, अमेठी। सिरमौर बुद्ध उर्फ भंते प्रज्ञा मित्र कोषाध्यक्ष



विहार सेवा संस्थान गंगौली सोड़या अमेठी की आपात् कालीन बैठक स्थानीय बुद्ध विहार में सम्पन्न हुई। बैठक का कोरम पूरा रहा जिससे कार्यवाही शुरू की गई। बैठक में पूर्व के दो सदस्यों द्वारा निबंधन कार्यालय में उठाये गये बिन्दुओं पर चर्चा व विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर उपस्थित रहे प्रमुख पदाधिकारियों व सदस्यों में

**विधिक सहायता एवं सशक्तीकरण शिविर, वंचितों को मुख्यधारा से जोड़ने की अनूठी पहल**  
न्यायमूर्ति विक्रम नाथ व न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी के मार्गदर्शन में बिजनौर से हुई ऐतिहासिक पहल की शुरुआत,विस्थापित मधुआरा समुदाय को मिली कानूनी जागरूकता, 20 मामलों का लोक अदालत में निस्तारण, 42 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायाधीश उच्चतम न्यायालय के संरक्षण तथा उत्तर



प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी, वरिष्ठ न्यायाधीश, उच्च न्यायालय इलाहाबाद के कुशल मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा एक ऐतिहासिक पहल की शुरुआत की गई है। इस पहल का उद्देश्य प्रदेश के विभिन्न स्थानों में निवास कर रहे समस्त विस्थापित, अनसूचित जनजाति, वनवासी व इसी प्रकृति के अन्य विशेष श्रेणी के ऐसे समुदाय जो वन विभाग एवं प्रशासन के साथ वर्षों से अपनी आजीविका के लिए संघर्ष कर रहे हैं, को मुख्यधारा से जोड़ना एवं उनके मूलभूत अधिकारों को संरक्षित करना है। उक्त पहल की शुरुआत जनपद बिजनौर से की गई है, जहां 01 जुलाई को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के उद्देश्यों के अनुरूप, उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बिजनौर के सहयोग से विस्थापित मधुआरा समुदाय को लाभान्वित करने हेतु विधिक सहायता एवं सशक्तीकरण शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर का मुख्य लक्ष्य प्रशासन और विस्थापित समुदाय के बीच की दूरी को समाप्त करना तथा यह सुनिश्चित करना था कि ऐसे व्यक्ति न केवल अपने अधिकारों और संबंधित कानून के बारे में जागरूक हों बल्कि उन्हें सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी प्राप्त हो। यह विधिक साक्षरता शिविर समग्र विद्यालय, ग्राम-नवलपुर बैर्राज जनपद बिजनौर में आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. मनु कालिया, सदस्य सचिव, उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ, संजय कुमार-7 जनपद न्यायाधीश, बिजनौर, जसजीत कौर, जिलाधिकारी बिजनौर, स्नाती

ग्रामों के विकास से ही देश का विकास संभव- विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, विकसित भारत जी राम जी योजना में मिला श्रम, सम्मान और विकास- विधायक शरद कोल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) शहडोल। भारत सरकार द्वारा 1 जुलाई से प्रारम्भ की गई विकसित भारत जी राम जी

एवं 125 दिन का रोजगार उपलब्ध कराने विकसित भारत जी रामजी योजना के तहत निर्धारित की गई है। उन्होंने कहा

**बदलते दौर में रोटी, कपड़ा, मकान के साथ- साथ रोजगार जरूरी- कलेक्टर,विकसित भारत जी राम जी योजना का किया गया औपचारिक शुभारंभ**

योजना का जिला स्तरीय औपचारिक शुभारंभ जनपद पंचायत जयसिंहनगर में विधायक जयसिंहनगर श्रीमती



मनीषा सिंह एवं विधायक ब्रह्महारी श्री शरद कोल ने भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया। विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा विकसित भारत जी राम जी योजना 1 जुलाई से प्रारंभ की गई है। यह योजना श्रमिकों के लिए आर्थिक रूप से सशक्त बनाने एवं स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने तथा अर्थोसंरचना निर्माण के लिए नए स्वरूप में प्रारंभ की गई है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत जी रामजी योजना का बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने एवं लोगों को इसका लाभ पहुंचाने के लिए पंचायत विभाग के मैदानी अमले की भूमिका अहम होती है। इस योजना का लाभ श्रमिकों को दिलाने के लिए मैदानी स्तर पर कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि विकसित राष्ट्र बनाने के लिए ग्रामों का विकास एवं श्रमिकों को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की जरूरत होती है। विधायक श्री शरद कोल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में देश में विकसित भारत जी रामजी योजना का प्रारंभ नए स्वरूप में किया गया है जो समय के साथ बदलने की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि श्रमिकों को उनके परिश्रम के आधार पर उन्हें अब 300 रुपये की न्यूनतम मजदूरी

**सीएम योगी आज करेंगे 'उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026' का शुभारंभ, 800 से अधिक प्रजातियों का होगा प्रदर्शन**

**इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 3 से 5 जुलाई तक सजेगा आमों का संसार, 04 जुलाई को 'जन भवन' में क्रेता-विक्रेता सम्मेलन,यूपी से आम निर्यात में रिकॉर्ड उछाल : 2025-26 में ₹12.67 करोड़ के 3563 मीट्रिक टन आम का हुआ निर्यात**

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी



आदित्यानाथ शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, गोमतीनगर में 'उत्तर प्रदेश आम महोत्सव-2026' का शुभारंभ करेंगे। तीन दिवसीय यह महोत्सव 3 से 5 जुलाई तक चलेगा, जिसमें 07 श्रेणियों और 56 वर्गों में लगभग 800 से अधिक आम की प्रजातियों का प्रदर्शन किया जाएगा। यह जानकारी उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में दी। उन्होंने बताया कि 04 जुलाई को 'जन भवन', लखनऊ में पहली बार आम क्रेता-विक्रेता सम्मेलन का आयोजन भी किया जाएगा, जिससे बागवानों को सीधे बाजार से जोड़ा जा सके। उद्यान

रोजगार की कानूनी गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है। पात्र ग्रामीण परिवार अब एक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों तक मजदूरी आधारित रोजगार पा सकेगें। तय समय में काम नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ता का प्रावधान भी जारी रहेगा। ग्रामीण मजदूरों के लिए न्यूनतम दैनिक मजदूरी 300 तय की गई है। सरकार ने समय पर वेतन भुगतान और डिजिटल निगरानी पर जोर दिया है। जिला स्तरीय कार्यक्रम में विकसित भारत जी राम जी योजना के तहत आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम को वर्युअली रूप से देखा एवं सुना गया। इस अवसर पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने विकसित भारत जी रामजी योजना के तहत सेवा देने वाले श्रमवीरों को फूल माला पहनाकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला

आत्मनिर्भर बनाने के लिए वरदान साबित होगी। उन्होंने कहा कि विकसित भारत जी रामजी योजना में श्रमिकों को श्रम, सम्मान और विकास मिला है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि बदलते दौर में रोटी, कपड़ा, मकान के साथ-साथ रोजगार की जरूरत होती है। 1 जुलाई से प्रारंभ विकसित भारत जी राम जी एक्ट श्रमिकों के लिए नया अध्याय प्रारंभ किया गया है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम,

पंचायत श्री शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व सुश्री काजोल सिंह, उपाध्यक्ष जिला पंचायत श्रीमती फूलवती सिंह, अध्यक्ष जनपद पंचायत श्रीमती मालती सिंह, श्रीमती आकांक्षी सिंह, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत श्रीमती रक्षा सिंह, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मुद्रिका सिंह, सीईओ जनपद श्रीमती शिवानी जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन जनजातीय कार्य विभाग के श्री राजेंद्र तिवारी द्वारा किया गया।

में विख्यात हैं और इनका उत्पादन मुख्य रूप से लखनऊ, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, वाराणसी, अयोध्या और प्रयागराज मण्डलों में होता है। एपीडा के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश से आम व पल्प के निर्यात में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वर्ष 2024-25 में 2.63 करोड़ रुपये मूल्य का 404 मीट्रिक टन निर्यात हुआ था, जो 2025-26 में बढ़कर 12.67 करोड़ रुपए मूल्य का 3.563 मीट्रिक टन हो गया है। यूपी का आम यूनाइटेड किंगडम, यूएई, सऊदी अरब, मलेशिया, सिंगापुर, कुवैत, न्यूजीलैंड, बेरिजियम, जापान, इटली, कतर और रूस सहित कई देशों को निर्यात किया जा रहा है। इस वर्ष भी महोत्सव के दौरान अन्य देशों को आम का निर्यात किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लखनऊ, सहारनपुर, वाराणसी और अमरौली में आधुनिक मँगो पैक हाउस स्थापित किए गए हैं, जहां अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल के तहत आम की प्री-प्रोसेसिंग और उपचार किया जा रहा है। जेवर एयरपोर्ट के पास फलों की टेस्टिंग एवं ट्रीटमेंट सेंटर का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिससे भविष्य में औद्योगिक निर्यात को और गति मिलेगी। आम को कीटों व रोगों से बचाने तथा उनका आकार, स्वाद और चमक सुधारने के लिए इस वर्ष विभाग द्वारा किसानों को लगभग 1.50 करोड़ फ्रूट कवर बैग वितरित किए गए हैं। अनुत्पादक और पुराने बागों के कॅनोपी प्रबंधन हेतु प्रति हेक्टेयर इकाई लागत पर 40 प्रतिशत का अनुदान भी दिया जा रहा है। मंत्री ने कहा कि योगी सरकार के प्रयासों से उत्तर प्रदेश का आम आज गुणवत्ता, ब्रांडिंग और निर्यात के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है।

अखिलेश यादव के जन्मदिन पर सपा नोएडा महानगर ने पौधारोपण, महा रक्तदान शिविर, शरबत वितरण एवं फल वितरण जैसे सेवा कार्यों का किया आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी के

रोहित सुरेंद्र, एडवोकेट गौरव यादव, मौनू खारी, हर्ष चौहान, कार्यक्रम समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता का



राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिवस के शुभ अवसर बुधवार को पर समाजवादी पार्टी



नोएडा महानगर द्वारा महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता की अध्यक्षता में पूरे नोएडा महानगर में विभिन्न जनसेवा एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों की शुरुआत सेंट्रल पार्क, सेक्टर-71, नोएडा में पौधारोपण अभियान से हुई। इस कार्यक्रम का आयोजन समाजवादी पार्टी के मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव एवं एडवोकेट गौरव यादव के नेतृत्व में किया गया। इसके पश्चात सेक्टर-70 में पौधारोपण के साथ-साथ राहगीरों एवं आमजन को भीषण गर्मी से राहत प्रदान करने हेतु शरबत वितरण किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन अंकुर यादव एवं कालू यादव द्वारा किया गया। इससे बाद समाजवादी सरकार के कार्यकाल में स्थापित जिला अस्पताल, सेक्टर-39, नोएडा में भव्य महा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया, जिसमें समाजवादी साथियों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानवता की सेवा का संदेश दिया। रक्तदान करने वाले प्रमुख साथियों में डॉ. आश्रय गुप्ता( महानगर अध्यक्ष), विकास यादव, (महासचिव) कुलदीप,

**अखिलेश बोले- चुनाव सितंबर में करा दें, हम तैयार हैं,भाजपा को न चढ़ावा मिलेगा, न वोट**

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार दोपहर करीब 3:30 बजे लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा विवाद को लेकर सरकार और द्रुष्ट की भूमिका पर सवाल उठाए। कहा-

राफरीवाला भी मौजूद रहे। इसके साथ ही अखिलेश ने कानून-व्यवस्था, साइबर पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। साथ ही दावा किया कि यूपी के विधानसभा चुनाव नवंबर की जगह सितंबर में ही करा लो। हम पूरी तरह से तैयार हैं। सपा न तो कभी टूटी है और न ही कभी टूटेंगी। इस दौरान अयोध्या के 'मंदिर राम निवास' वें 5 पंच प्रमुख हरिश्चंद्रकर



दिया, भगवान को दगा दिया। जब जनता चंदा चोरी की सच्चाई जानेगी तो विधानसभा चुनाव में इन्हें सत्ता से हटा देगी और इनका सफाया हो जाएगा। सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ गंभीर है, तो राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में गिरफ्तार आरोपियों के घरों पर भी बूलडोजर चलाया जाए। सीसीटीवी- बंद करके चढ़ावा चोरी की गई-अखिलेश ने कहा कि जिस प्रदेश में सीसीटीवी बंदकर मंदिर का चढ़ावा चोरी हो सकता है। वहां साइबर फ्रॉड जैसे घटनाओं का बढ़ना कोई बड़ी बात नहीं है। इससे प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। भगवान श्रीराम स्वयं इस पूरे मामले का हिसाब करेंगे। समाजवादी पार्टी भाईदरों और सौहार्द का राष्ट्र बनाने के लिए काम करती रहेगी।

### विकास कार्यों का शुभारंभ, श्रमिकों को अब 125 दिन मिलेगा रोजगार, 300 रुपये मजदूरी

सोनभद्र। म्योरपुर (सोनभद्र)। विकास खंड म्योरपुर में गुरुवार को विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार आजीविका

साथ स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण कर गांवों के समग्र विकास को गति देना है। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि ईईए



मिशन (ईईए) योजना के तहत विभिन्न विकास कार्यों का शुभारंभ गुरुवार को किया गया। खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) दिनेश मिश्रा और कार्यक्रम अधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा ने ग्राम पंचायत मधुवन में पौधरोपण और ग्राम पंचायत फरीपान में तालाब खुदाई कार्य का फावड़ा चलाकर औपचारिक शुरुआत की। इस योजना के तहत अब श्रमिकों को 125 दिनों का रोजगार मिलेगा। इस अवसर पर ग्राम प्रधान बर्फीलाल, पंचायत सचिव रामबुद्ध, क्षेत्र पंचायत सदस्य और अन्य जनप्रतिनिधियों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण तथा कार्यस्थल पर मौजूद श्रमिक उपस्थित थे। अधिकारियों ने श्रमिकों से कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से और निर्धारित समय सीमा में पूरा करने का आग्रह किया। खंड विकास अधिकारी दिनेश मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में विकास खंड की 29 ग्राम पंचायतों में कुल 71 विकास कार्य चल रहे हैं, जिनसे 1064 श्रमिकों को रोजगार मिल रहा है। उन्होंने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करने के साथ-

योजना के तहत अब श्रमिकों को पहले के 100 दिनों के बजाय 125 दिनों का रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त, 1 जुलाई 2026 से कार्य की माप के आधार पर श्रमिकों को 300 रुपये प्रतिदिन की दर से मजदूरी भुगतान का प्रावधान भी लागू किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, योजना के तहत ग्राम पंचायतों में चार प्रमुख श्रेणियों के कार्य कराए जाएंगे। इनमें जल सुरक्षा (तालाब, चेक डैम सहित जल संरक्षण कार्य), मुख्य ग्रामीण अवसंरचना (सड़क एवं सामुदायिक भवन), आजीविका से संबंधित अवसंरचना (भंडारण इकाइयों का निर्माण) और जलवायु एवं आपदा प्रतिरोधकता से जुड़े कार्य शामिल हैं। इस योजना में कुल 318 प्रकार के कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूरा करके विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के अनुरूप ग्राम पंचायतों के समग्र विकास को बढ़ावा दिया जाएगा।

### नदी में डूबे 3 बच्चों के परिजनों से मिले प्रभारी मंत्री, सीएम योगी के निर्देश पर मीठापुर पहुंचकर व्यक्त की संवेदना

सोनभद्र। सोनभद्र के प्रभारी मंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने आज

बच्चों दीपक (पुत्र भगवानदास, 10 वर्ष), बोलबम (पुत्र लोरी, 16

जाए और उनकी हर संभव सहायता सुनिश्चित की जाए।



मीठापुर गांव पहुंचकर सोन नदी में डूबने से मृत तीन बच्चों के शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने पीड़ित परिवारों को दण्ड बंधाया और गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए इसे अपूरणीय क्षति बताया। मंत्री ने कहा कि इस कठिन समय में प्रदेश सरकार पूरी संवेदनशीलता के साथ पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। प्रभारी मंत्री ने जानकारी दी कि शासन द्वारा मृतक तीनों

वर्ष) और संदीप (पुत्र रविन्द्र, 20 वर्ष) के परिजनों के बैंक खातों में रु.4-4 लाख की अहेतुक सहायता राशि भेज दी गई है। उन्होंने यह भी बताया कि शासन से अनुमत्य अन्य सभी सहायता भी नियमानुसार उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ित परिवारों को शासन की सभी पात्र योजनाओं का लाभ समयबद्ध ढंग से उपलब्ध कराया

इस दौरान सदर विधायक भूपेश चौबे, अनुसूचित जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष जीत सिंह खरवार, भाजपा जिला अध्यक्ष नंदलाल गुप्ता, पूर्व सांसद नरेंद्र सिंह कुशवाहा सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत बच्चों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

### 3 महीने की ट्रेनिंग और अब आत्मनिर्भर बनने की तरफ, सोनभद्र में 60 युवतियों को मिला प्रमाण पत्र

सोनभद्र। सोनभद्र के बभनी क्षेत्र स्थित सेवा कुंज आश्रम, कारीडाड़ चपकी में तीन माह से संचालित कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का गुरुवार को समापन हो गया। इस दौरान प्रशिक्षण पूरा करने वाली 60 युवतियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि कौशल आधारित प्रशिक्षण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने और रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम है। दीप प्रज्ज्वलन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थी छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर अतिथियों का स्वागत किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 60 युवतियों ने सिलाई-

बुनाई, ब्यूटीशियन और कंप्यूटर जैसे रोजगारपरक पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण का उद्देश्य युवतियों को स्वरोजगार के लिए तैयार करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना रहा। रोजगार से जोड़ने पर दिया जोर-मुख्य अतिथि इकदिली हाई स्कूल की प्रधानाचार्य वंदना सिंह ने कहा कि कौशल विकास कार्यक्रम युवाओं को रोजगार योग्य बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण शिक्षा और उद्योग की आवश्यकताओं के बीच की दूरी को कम करते हैं। स्वरोजगार के लिए किया प्रेरित-वक्ताओं ने कहा कि आज के समय में तकनीकी और व्यावसायिक कौशल युवाओं के लिए सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त युवतियों से सीखे हुए हुनर

का उपयोग कर स्वरोजगार अपनाने और अन्य लोगों को भी प्रेरित करने का आह्वान किया। प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित-समारोह के अंत में सभी 60 प्रशिक्षणार्थी युवतियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने पर प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। अतिथियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए निरंतर आगे बढ़ने का संदेश दिया। बड़ी संख्या में मौजूद रहे अभिभावक-कार्यक्रम में अखिल भारतीय वनवासी क्षेत्रीय संपर्क प्रमुख मनिराम पाल, क्षेत्रीय जनजाति प्रमुख हरीश, विमल सिंह, देवनारायण सिंह खरवार, राम लखन, मिथिलेश सिंह, शिव प्रसाद, सीताराम, लालजी सुमन सहित सभी प्रशिक्षणार्थी और उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

### अखिलेश यादव का जन्मदिन उत्साह के साथ मनाया, 2027 में सपा सरकार बनाने का लिया संकल्प घोरावल में सपा नेताओं व कार्यकर्ताओं ने केक काटकर मनाया राष्ट्रीय अध्यक्ष का जन्मदिन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) (घोरावल) सोनभद्र। बुधवार को

स्वस्थ, दीर्घायु एवं सफल जीवन की कामना की। उपस्थित

का आह्वान किया। इस अवसर पर सभी नेताओं और



समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के जन्मदिन पर बुधवार को घोरावल नगर अध्यक्ष रमजान अली के आवास पर समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केक काटकर तथा मिठाई खिलाकर राष्ट्रीय अध्यक्ष के

वक्ताओं ने उन्हें सामाजिक न्याय, संविधान और गरीब, किसान, मजदूर, व्यापारी तथा नौजवानों की आवाज बताते हुए उनके नेतृत्व की सराहना की। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष व्यापार सभा दिनेश अग्रहार (काजू) ने सभी कार्यकर्ताओं को राष्ट्रीय अध्यक्ष के जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए संगठन को मजबूत बनाने

कार्यकर्ताओं ने 2027 वेग विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्रमोद यादव, रामनरेश बैस, नितिन मोदनवाल, इकरार अंसारी, दीपु गुप्ता, मो. कैफ, अखिलेश वर्मा, राहुल उमर सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

### सोनभद्र: करमा ब्लॉक के ग्राम सभा कम्हरिया-परही रोड की बदहाल स्थिति, ग्रामीणों में नाराज़गी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। करमा ब्लॉक

स्कूली बच्चों और वाहन चालकों को रोजाना भारी परेशानियों

खतरा बढ़ जाता है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन और



अंतर्गत ग्राम सभा कम्हरिया से परही जाने वाला मार्ग लंबे समय से जर्जर स्थिति में है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे और उखड़ी हुई सतह वेग कारण राहगीरों,

का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है बरसात के मौसम में सड़क पर जलभराव होने से स्थिति और भी गंभीर हो जाती है तथा दुर्घटनाओं का

जनप्रतिनिधियों से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है, ताकि क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।



# NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

## सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी

**फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड**  
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लांट, माइनिंग इण्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रॉनिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

**नोट: फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश-विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।**

**Visit us at [www.nainiiti.com](http://www.nainiiti.com) Call: 9415608710, 7459860480**



## बारिश की वजह से मैच रद्द

### अभिषेक सबसे तेज 100 टी-20 छक्के लगाने वाले बैटमैन, श्रेयस इंग्लैंड में फिफ्टी लगाने वाले पहले भारतीय कप्तान

इरहमा। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टी-20 मैच बारिश के कारण रद्द हो गया। 5. चेस्टर-ली-स्ट्रीट में भारत का लगातार तीसरा मैच लौटे और क्रीज में पहुंचने के लिए फुल स्ट्रेच डाइव लगाई। इस दौरान बल्लेबाजों पर विकेटकीपर जोस बटलर ने स्टंप बिखेर दी। किशन क्रीज से दूर रह गए। वे लगातार दूसरे मैच में रन आउट हुए। इससे पहले वे आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 में भी 12 रन बनाकर रनआउट हो गए थे। 2. अभिषेक रिक्कु पर आउट-पारी के 9वें ओवर में अभिषेक एलबीडब्ल्यू हुए। सैम करन ने ओवर की दूसरी गेंद लेग-कटर फेंकी। अभिषेक ने जोर से बल्ले चलाया, लेकिन गेंद बल्ले को मिस करती हुई पिछले पैड पर जा लगी। फील्ड अंपायर ने उन्हें नॉट आउट दिया, लेकिन इंग्लैंड ने रिक्कु स्टंप से टकराती देखी। इसके बाद फील्ड अंपायर ने अपना फैसला बदला और अभिषेक आउट दिए गए। 3. बतौर कप्तान श्रेयस की पहली फिफ्टी-पहली पारी के 15वें ओवर में श्रेयस ने अपनी

की वजह से नहीं हो सका। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 189 रन बनाए। इसके बाद बारिश आई और इंग्लैंड की पारी शुरू नहीं हो सकी। अभिषेक टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज 100 छक्के लगाने वाले बैटर बन गए। उन्होंने 59 रन बनाए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 68 रन की पारी खेली। वे इंग्लैंड में टी-20 फिफ्टी लगाने वाले पहले भारतीय कप्तान बने। IND Vs ENG मैच के टॉप रिकॉर्ड्स- मोमेंट्स:- 1. अभिषेक शर्मा ने 785 गेंद में 100 छक्के पूरे किए- अभिषेक शर्मा टी-20 में सबसे कम गेंद में 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 4 छक्के लगाए। अभिषेक ने 785 गेंद में 100 छक्के पूरे किए। उन्होंने वेस्टइंडीज के ईविन लुईस के 789 गेंद का रिकॉर्ड तोड़ा। 2. रोहित-विराट के क्लब में

20 में सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले भारतीय बन गए हैं।

रद्द हुआ-चेस्टर-ली-स्ट्रीट में भारत का कोई मैच कॅलेंडर नहीं



अभिषेक ने महज 20 गेंद पर फिफ्टी पूरी की। उन्होंने कैल

हो पाया है। भारत ने यहां 3 मैच खेले हैं और तीनों मुकाबले

फिफ्टी पूरी की। उन्होंने लिया



अभिषेक शामिल-अभिषेक भारत के लिए 100 छक्के लगाने वाले

राहुल का 8 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। राहुल ने 2018 में मैनचेस्टर

बेनतीजा रहे। इससे पहले 2002 और 2011 का वनडे मैच पूरे नहीं

पर सिंगल लेकर 38 गेंद में फिफ्टी पूरी की। टी-20 में यह उनकी नौवीं



पांचवे भारतीय बने। उन्होंने रोहित शर्मा और विराट कोहली के क्लब में जगह बनाई। रोहित शर्मा टी-20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय हैं। उनके नाम 205 छक्के हैं। इस रिकॉर्ड में सूर्यकुमार यादव (179 छक्के), हार्दिक पंड्या (126 छक्के) और विराट कोहली (124 छक्के) भी शामिल हैं। 3. अभिषेक इंग्लैंड में सबसे तेज

के मैदान पर 27 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। 4. श्रेयस ने कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा-श्रेयस इंग्लैंड में जाकर टी-20 में फिफ्टी लगाने वाले पहले भारतीय कप्तान बन गए हैं। उन्होंने 68 रन बनाए। यह इंग्लैंड के मैदान पर टी-20 में किसी भारतीय कप्तान की सबसे बड़ी पारी है। उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा। कोहली ने 2018 में काउंटी के मैदान पर 47 रन

हो पाए थे। यहां से टॉप-4 मोमेंट्स:- 1. ईशान किशन लगातार दूसरे मैच में रन आउट हुए-भारतीय पारी के दूसरे ओवर में ईशान किशन रन आउट हुए। साकिब महमूद की आखिरी गेंद को किशन ने मिड-ऑन की ओर खेला। वे शॉट लगाते ही सिंगल के लिए दौड़ पड़े। दूसरे छोर पर खड़े अभिषेक शर्मा ने रन के लिए मना कर दिया। किशन वापस

और बतौर भारतीय कप्तान पहली फिफ्टी है। 4. बारिश की वजह से मैच रद्द हुआ-मैच में शुरू से ही हल्की बूदा-बांदी होती रही। इसके बावजूद पहली पारी में पूरे 20 ओवर का खेल हुआ। हालांकि इसके बाद बारिश तेज हो गई और फिर मैच शुरू नहीं हो पाया। भारतीय समय के हिसाब से रात 12:47 बजे मैच को रद्द घोषित कर दिया गया।

## मानसून में बीमारियों से बचाएंगे ये सुपरफूड्स, जानें इस मौसम में क्या खाने से करें परहेज, अपनाएं 5 हेल्दी आदतें

नयी दिल्ली। बारिश की रिमझिम फुहारें भले ही गर्मी से राहत देती हों, लेकिन ये मौसम से ताकत देता है और बीमारियों से लड़ने की क्षमता बढ़ाता है। इन्हें रोजाना डाइट में शामिल

जाते हैं और आसानी से पचते हैं। सवाल- मानसून में कौन से फूड्स से परहेज करना चाहिए?



कई बीमारियों को भी साथ लेकर आता है। हवा में बढ़ी नमी और तापमान में उतार-चढ़ाव की वजह से इस दौरान वायरल फीवर, सर्दी-जुकाम, पेट दर्द, फूड पॉइजनिंग जैसी दिक्कतें आम हो जाती हैं। इसकी असल वजह हमारी कमजोर होती इम्यूनिटी है। अगर समय रहते खानपान पर ध्यान न दिया जाए तो मामूली इन्फेक्शन भी बड़ी परेशानी बन सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप इस मौसम में ऐसा खाएं जो नेचुरल हो, डाइजैस्ट होने में आसान हो और शरीर की इम्यूनिटी को मजबूत बनाए।एनर्जेटिक और हेल्दी रखने के लिए क्या करें? इस मौसम में कौसी डाइट फॉलो करनी चाहिए? एक्सपर्ट: अमृता मिश्रा, सीनियर डाइटिशियन, नई दिल्ली से जानेंगे सवाल-जवाब के माध्यम से सवाल-बदलता मौसम हमारी इम्यूनिटी पर क्या असर डालता है? जवाब- मानसून में तापमान

करने से न केवल पाचन अच्छा रहता है, बल्कि मौसम बदलने पर होने वाले सर्दी-जुकाम, बुखार

जवाब- मानसून में खाने-पीने को लेकर थोड़ी सी लापरवाही भी सेहत पर भारी पड़ सकती है।



और पेट की दिक्कतों से भी बचाव होता है। सवाल- इन फूड्स को खाने का सही तरीका क्या है? जवाब- मानसून में

इस मौसम में नमी और गंदगी के कारण फूड आइटम जल्दी खराब होते हैं और उनमें हानिकारक बैक्टीरिया पनपने

आराम बना रहे। इसके लिए दिनचर्या नियमित रखें। अगर बुजुर्ग कोई दवा खाते हैं तो डॉक्टर से डाइट को लेकर सलाह



गिरने और नमी बढ़ने से शरीर का मेटाबॉलिज्म धीरे हो जाता है। यानी खाना पचने की गति कम हो जाती है। नतीजतन, शरीर को उतनी एनर्जी नहीं मिल पाती जितनी जरूरत होती है। इससे थकान, भारीपन, गैस, अपच और भूख न लगने जैसी दिक्कतें होने लगती हैं। कमजोर मेटाबॉलिज्म का सीधा असर इम्यून सिस्टम पर भी पड़ता है, जिससे शरीर इन्फेक्शन से

खाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है उसे सही तरीके से खाना। नमी और गर्माहट के चलते इस मौसम में खाने में जल्दी बैक्टीरिया पनपते हैं। इसलिए हर चीज को साफ-सुथरा और सुपाच्य बनाकर खाना चाहिए। फल-अमरूद, पपीता, सेब जैसे फल ताजे और पूरी तरह धोकर खाएं। बेहतर होगा कि छिलका हटाकर या अच्छी तरह रगड़कर धोने के बाद

लगते हैं। ऐसे में कुछ चीजें खाने से न सिर्फ पाचन बिगड़ सकता है, बल्कि फूड पॉइजनिंग और इन्फेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए जरूरी है कि हम यह समझे कि किन फूड्स से इस मौसम में दूरी बनाना ही समझदारी है।सवाल- बच्चों और बुजुर्गों की इम्यूनिटी मजबूत रखने के लिए क्या खास ध्यान रखना चाहिए?जवाब- बच्चों और बुजुर्गों की इम्यूनिटी

जरूर लें क्योंकि कुछ दवाएं पाचन या भूख को प्रभावित कर सकती हैं।सवाल- खाने के अलावा कौन-सी आदतें इम्यूनिटी को मजबूत करती हैं? जवाब- सिर्फ अच्छा खाना ही नहीं, बल्कि कुछ रोज की आदतें भी हमारी इम्यूनिटी को मजबूत बनाने में अहम भूमिका निभाती हैं। जैसेकि- हर दिन हल्का व्यायाम करें। 20-30 मिनट की वॉक, योग या स्ट्रेचिंग से शरीर



जल्दी घिर सकता है। साथ ही इस मौसम में बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं, जो आसानी से इन्फेक्शन फैलाते हैं। जब इम्यून सिस्टम कमजोर होता है तो हल्की सी लापरवाही से सर्दी-जुकाम, बुखार, खांसी, गले की खराशा या स्किन एलर्जी जैसी समस्याएं जल्दी पकड़ लेती हैं। सवाल- मानसून में इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए कौन से फूड्स फायदेमंद हैं? जवाब- कुछ फल, सब्जियां, अनाज, दालें और नट्स ऐसे होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में खास भूमिका निभाते हैं। इनमें जरूरी विटामिन्स, मिनरल्स, एटीऑक्सिडेंट्स और फाइबर होता है। यह शरीर को अंदर

ही खाएं, ताकि बिल्कुल गंदगी न रहे।सब्जियां- गाजर, भुट्टा (मक्का), भिंडी जैसी सब्जियों को हल्का उबालकर या भाप में पकाकर खाएं। इससे ये नरम हो जाती हैं। साथ ही जल्दी पचती हैं और इनमें मौजूद बैक्टीरिया खत्म हो जाते हैं। अनाज और दलिया-ओट्स, दलिया, मूंग दाल जैसी चीजें अच्छी तरह पकाकर और गर्म खानी चाहिए। ये हल्की होती हैं और पाचन में मदद करती हैं। बासी या अथपकी चीजों से बचें। ड्राई फ्रूट्स और सीड्स- खजूर और अंजीर को थोड़े गुनगुने पानी में भिगोकर खाना सबसे बेहतर होता है, इससे ये मुलायम हो

सामान्य लोगों की तुलना में कमजोर होती हैं, इसलिए मानसून में उनका खास ख्याल रखना जरूरी है। इम्यूनिटी मजबूत बनाए रखने के लिए ठीक वृष्टि जरूरी बातें अपनानी चाहिए। बच्चों के लिए ताजे फल, मूंग दाल, खिचड़ी, दलिया जैसी हल्की और पौष्टिक चीजें खाने के लिए दें। बाहर का तला-भूना खाना, आइसक्रीम, कटे फल और पैकेट वाले जूस से बचाएं। ये जल्दी खराब होते हैं और इन्फेक्शन फैला सकते हैं। बच्चों को रोज थोड़ा खेल-कूद या हल्की फिजिकल एक्टिविटी कराएं ताकि शरीर एक्टिव बना रहे।हाथ धोने की

एक्टिव रहता है और इम्यून सिस्टम बेहतर काम करता है। 7-8 घंटे की नींद दें। नींद पूरी न होने से शरीर थका रहता है और संक्रमण से लड़ने की ताकत घट जाती है। लगातार चिंता या टेंशन इम्यूनिटी को कमजोर कर सकती है।मेडिटेशन, गहरी सांस या म्यूजिक से राहत पाएं। कीटाणुओं से बचने के लिए साफ-सफाई बेहद जरूरी है, खासकर खाने से पहले और बाहर से आने के बाद। भूखा रहना या कम पानी पीना शरीर की ताकत को कमजोर करता है। हर 2-3 घंटे में कुछ हेल्दी जरूर खाएं और दिनभर में 7-8 ग्लास पानी पीना न भूलें।

## संगीत, फिल्म और टीवी शो में अमेरिकी दबदबा घट रहा,स्पोर्टिफाई

11 जून को फुटबॉल वर्ल्ड कप के उद्घाटन समारोह में अंग्रेजी, फ्रेंच, स्पेनिश और

हैं, फिर भी उसके अधिकांश दर्शक अपने देश की भाषा और संस्कृति से जुड़े वीडियो ज्यादा

दक्षिण अफ्रीका के नौ स्थानीय थे। - भारत में म्यूजिक स्ट्रीमिंग में हिंदी संगीत का हिस्सा कम



इटालियन भाषाओं में प्रस्तुत आधिकारिक गीत ने वैश्विक एकता का संदेश दिया। आने वाले हफ्तों में दुनिया की लगभग आधी आबादी इस दुर्गमिट को देखेगी। पहली नजर में यह लग सकता है कि मनोरंजन की दुनिया पहले से कहीं अधिक वैश्विक हो चुकी है और इसके केंद्र में अब भी अमेरिका की सांस्कृतिक ताकत कायम है, लेकिन हकीकत इससे अलग है। वर्ल्ड कप और ओलिंपिक जैसे मेगा इवेंट आज भी पूरी दुनिया का ध्यान खींचते हैं, मगर मनोरंजन की व्यापक दुनिया लगातार स्थानीय होती जा रही है। संगीत, टेलीविजन, सोशल मीडिया और गेमिंग जैसे क्षेत्रों में लोग तेजी से अपने देशों और भाषाओं के कंटेंट को प्राथमिकता दे रहे हैं। अमेरिकी कंटेंट का प्रभाव पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, लेकिन उसका एकाधिकार कमजोर पड़ रहा है। स्पोर्टिफाई, नेटफिलक्स, यूट्यूब, एपल और गूगल के ऐप स्टोर जैसे वैश्विक प्लेटफॉर्म ने दुनिया भर के लोगों को एक जैसी सामग्री तक पहुंच दी है। इससे टेलर स्विफ्ट, मिस्टर बीस्ट और रॉब्लॉक्स जैसे अमेरिकी ब्रांड और सितारों को अभूतपूर्व वैश्विक पहचान मिली। इसके बावजूद स्थानीय पसंद लगातार मजबूत हो रही है। फुटबॉल में लोग विश्व कप का इंतजार करते हैं, लेकिन अधिकांश समय अपनी घरेलू लीग्स और स्थानीय टीमों की ही देखते हैं। यूट्यूब लगभग हर देश का कंटेंट उपलब्ध कराता

देखते हैं। गेमिंग में भी यही रुझान दिखाई देता है। कंसोल और पीसी गेमिंग में कुछ वैश्विक फ्रैंचाइजी का दबदबा है, लेकिन मोबाइल गेमिंग कहीं अधिक विविध हो चुकी है। दुनिया के पांच सबसे बड़े गेमिंग बाजारों में कोई एक ऐप ऐसा नहीं है जो हर देश के टॉप-10 में शामिल हो। विशेषज्ञों का मानना ​​है कि सॉफ्ट पावर का वैश्विक परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। लोकप्रिय संस्कृति पर अमेरिका का लगभग एक सदी पुराना प्रभुत्व कमजोर हुआ है। वितरण प्लेटफॉर्म पर उसका प्रभाव बना हुआ है, लेकिन कंटेंट निर्माण में अब ब्राजील, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देश तेजी से उभर रहे हैं।अगले महीने अमेरिका में होने वाले वर्ल्ड कप फाइनल पर दुनिया की नजर होगी, लेकिन सांस्कृतिक प्रभाव के नए खेल में अब कई नए खिलाड़ी मैदान में उतर चुके हैं।म्यूजिक स्ट्रीमिंग में स्थानीय गायक हावी हो रहे हैं?-- डेनमार्क में 2025 में सबसे ज्यादा स्ट्रीम हुए?म्यूजिक ट्रैंक स्थानीय रहे। नावें, स्वीडन में भी स्थानीय लोगों का बोलबाला है। - पिछले वर्ष स्पोर्टिफाई के 50 ग्लोबल टॉप गानों में 16 भाषाओं के गाने शामिल थे। - ब्राजील में जून के पहले सप्ताह में यूट्यूब म्यूजिक पर टॉप-100 आर्टिस्ट ब्राजीलियन थे। - पिछले साल थाइलैंड में सभी दस पॉपुलर गाने लोकल थे। इंडोनेशिया, फिलीपीन्स में यह संख्या आठ-आठ रही। - नाइजीरिया के टॉप दस गाने और

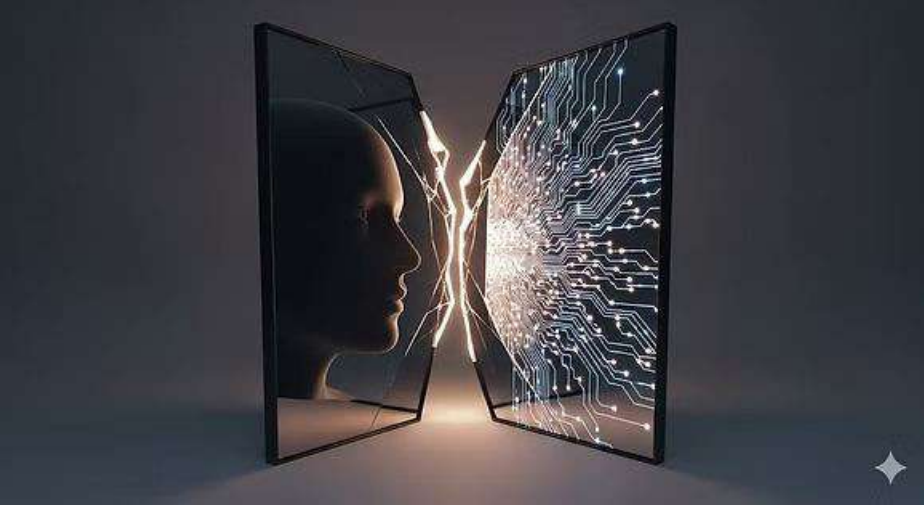
हो रहा है। अब मलयालम और उड़िया सहित कई अन्य स्थानीय भाषाओं में लोग ज्यादा? गाने सुन रहे हैं।? म्यूजिक चार्ट्स ज्यादा? स्थानीय हो रहे हैं?-म्यूजिक चार्ट्स अब लोकल हो रहे हैं। ब्राजील? में पिछले सप्ताह सबसे ज्यादा स्ट्रीम किए गए? 100 कलाकारों में 96 स्थानीय थे। नेटफिलक्स?और अमेजन जैसी वीडियो स्ट्रीमिंग सेवाएं?विदेशों में ज्यादा शो बना रही हैं। पिछले छह? साल में नए स्ट्रीमिंग कमीशन में उत्तर अमेरिका?का हिस्सा 70फीसदी से गिरकर 36फीसदी रह गया है।? अब स्थानीय भाषाओं में? ज्यादा बन रहे हैं टीवी शो-पिछले दो साल में सोनी म्यूजिक ने ग्रीस, चेकरिपब्लिक और दुबई में ऑफिस खोले हैं। बार्नर ब्रदर्स ने इटली, जर्मनी और तुर्किये में लोकल शो लॉन्च किए हैं। इस साल की पहली तिमाही में ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म के 36फीसदी शो उत्तर अमेरिकी रहे। नेटफिलक्स ने पहली बार स्थानीय भाषाओं में ज्यादा टीवी शो बनाए हैं। भारत में कैंरम सबसे अधिक पॉपुलर खेल है- गेमिंग के 5 सबसे बड़े बाजारों अमेरिका, चीन, जापान, ब्रिटेन और दक्षिण कोरिया में कोई एक गेम टॉप-10 में शामिल नहीं है। उनके टॉप-10 में 34 अलग टाइलर है। भारत में टॉप-10 गेम में कैंरम सर्वाधिक पॉपुलर है। भारत में यूट्यूब का 95फीसदी कंटेंट भारतीय भाषाओं में है। आधे से ज्यादा कंटेंट हिंदी की जगह अन्य भाषाओं में है।

## कोई भी तकनीक हमसे जीने की अनुभूति नहीं छीन सकती

मुम्बई की कई और शामों जैसी ही वह एक शाम थी। मैं मरीन ड्राइव की सी-वॉल पर बैठी थी और मेरे हेडफोन में लियोनार्ड कोहेन का गीत 'फेमस ब्लू रेनकोट' बज रहा था। हवा ने मेरे बालों को बिखेर दिया था और डूबते सूरज की लालिमा मेरी आंखों में समा गई थी। जैसे ही आग का गोला अरब सागर में

नहीं थे। जब मुझे एआई द्वारा लिखे ईमेल मिलते हैं, जब मैं टीम के सदस्यों को काम के लिए इसका उपयोग करते देखती हूं, जब मैं चैटजीपीटी द्वारा लिखी लिक्डइन पोस्ट और वॉट्सएप मैंसेज पढ़ती हूं तो समझ नहीं

बढ़ जाता है। मुझे पता है कि तकनीक को नजरअंदाज करने और दुनिया से पीछे रह जाने का क्या परिणाम होता है।जब मैं डिजिटल स्टोरीटेलर के रूप में शुरुआत कर रही थी, तब मैंने पारंपरिक मीडिया के अपने



उतरा, लहरों की तुमुल-ध्वनि कोहेन की गहरी, सम्मोहक आवाज के साथ मिलकर उस जादुई क्षण को पूर्णता देने लगी। मेरे मन में दूसरे अविस्मरणीय सूर्यास्तों की स्मृतियां उमड़ पड़ीं : क्यूबा के माल्कोन में, बाली के एक सक्रिय ज्वालामुखी पर और युगांडा के सबसे बड़े राष्ट्रीय उद्यान में सेल्फ-ड्राइव सफारी के दौरान।फिर मेरा ध्यान भटक गया और मैंने अपना ईमेल खोल लिया। एक नया मेल आया था, जो ऊष्मा और सामंजस्य से भरा हुआ था। लेकिन उसके अंत में लिखा था : 'क्या आप इसका थोड़ा और कैंजुअल टोन वाला संस्करण चाहेंगी, या फिर ऐसा जिसे आपके मैनेजर के साथ निजी बातचीत के लिए तैयार किया गया हो?' біते कुछ महीनों में मुझे अकसर अपनी लिखने और कम्युनिकेट करने की क्षमता पर संशय हुआ। लेकिन बाद में मुझे एहसास हुआ कि जिन ईमेल और सोशल मीडिया पोस्टों को देखकर मैं प्रभावित हुई थी, वे वास्तव में इंसानों ने लिखे ही

आता क्या प्रतिक्रिया दूं। क्या मुझे अपना समय और ऊर्जा उन एआई द्वारा लिखे गए ईमेल और संदेशों का जवाब देने में लगानी चाहिए? क्या मुझे भी चैटजीपीटी का उपयोग करके जवाब देना चाहिए, जिससे ऐसी विद्वत्तापूर्ण स्थिति पैदा हो जाए, जहां एक मशीन दूसरी मशीन से यह दिखावा करते हुए बात कर रही हो कि वह इंसान है? मैं ऐसे आभासी संबंध कैसे बना सकती हूं, जो वास्तविक इंसानों नहीं, एआई द्वारा तैयार किए उत्तरों पर आधारित हों? मैं क्लॉड द्वारा रची जा रही ब्लॉग पोस्टों और न्यूजलेटर्स से कैसे प्रतिस्पर्धा करूं? जब पर्लैक्सिटी से बनी किताबें बुकस्टोर्स में छा जाएंगी, तब क्या होगा? 2024 में ऑक्सफोर्ड ने 'ब्रेन रॉट' को वर्ड ऑफ द ईयर चुना था। इसका अर्थ है- सोशल मीडिया पर कम गुणवत्ता और निम्नतर मूल्य वाली सामग्री का अत्यधिक उपभोग करने से हमारे मस्तिष्क का क्षरण। अब इसमें एआई को भी जोड़ दें तो ब्रेन रॉट कई गुना

मित्रों के साथ ऐसा होते देखा था। लेकिन एआई केवल कोई नया माध्यम या उपकरण नहीं है; यह एक क्रिएटिव व्यक्ति के रूप में हमारे अस्तित्व पर ही प्रश्न उठा रहा है। मैंने अपना फोन रख दिया। समुद्र-तट के आकाश में नारंगी और गुलाबी रंगों की छटाएं फैल गई थीं। मुझे एहसास हुआ कि कोई भी तकनीक इस अकथनीय सुख को कभी पूरी तरह री-क्रिएट नहीं कर सकती- यहां बैठने का आनंद, मुंबई की नमकीन हवा को सांसों में संजोने का अनुभव, सूर्यास्त को समुद्र में उतरते हुए देखने का क्षण और एक महानगर के जन-ज्वार के बीच भी एक अजीब-सी शांतचित्ता की अनुभूति। डेढ़ महीने से अधिक समय तक मैंने स्वयं को पूरी तरह जर्मन भाषा सीखने के लिए समर्पित कर दिया था। हर दिन पांच घंटे एक नई भाषा सीखने में खुद को लगाना थकाऊ काम था, लेकिन साथ ही यह ऊर्जा से भर देने वाला भी था। मेरे मस्तिष्क में नए तंत्रिका-संबंध

ने लंबे समय तक चलने वाले प्रोजेक्ट्स पर काम करने की मेरी क्षमता को प्रभावित किया था। इसलिए मैंने सचेत रूप से गहन कार्य और धीमी, टिकाऊ उत्पादकता को प्राथमिकता देना शुरू किया। उस शाम मरीन ड्राइव पर एक सम्मोहक अर्धचंद्र दिखाई दिया। मुम्बई के क्षितिज की रोशनियां जगमगाने लगीं, हवा तेज हो गई, भीड़ धीरे-धीरे छंट गई। अपनी जगह पर बैठे, उन तमाम उलझे हुए तरीकों के बारे में सोचते हुए- जिनसे हम बदलावों का सामना करते हैं- मैंने स्वयं को अपरिष्कृत, भ्रांत और अपूर्ण महसूस किया- लेकिन जीवित भी। कोई भी तकनीक इसे हमसे नहीं छीन सकती! क्या मुझे अपना समय एआई द्वारा लिखे गए ईमेल का जवाब देने में लगाना चाहिए? क्या मुझे भी चैटजीपीटी का उपयोग करके जवाब देना चाहिए, जिससे ऐसी स्थिति पैदा हो जाए, जहां एक मशीन दूसरी मशीन से यह दिखावा करते हुए बात कर रही हो कि वह इंसान है? (ये लेखिका के अपने विचार हैं,शिक्षा नाथ)

## क्या लेट प्रेंगनेंसी के फायदों पर उससे जुड़ी समस्याएं भारी पड़ रही हैं!

53 साल के एक शानदार परफॉर्मर ने दो दशक से अधिक समय पूरी निष्ठा से काम किया। सहकर्मियों की तुलना में वह कहीं तेजी से कॉर्पोरेट के पायदान चढ़े और आखिरकार बिजनेस के शीर्ष पद तक पहुंचे। लेकिन बीते दो वर्षों में कंपनी के प्रमोटर्स ने उनकी परफॉर्मेंस में गिरावट देखी। वह बेहद दबाव में दिखते, बिजनेस ट्रैवल से बचने लगे और ऑफिस में लंबे समय तक रुकना भी छोड़ दिया था। वह हमेशा असंतुष्ट नजर आते थे। इसकी वजह जानने के लिए कंपनी मालिकों ने एक बाहरी विशेषज्ञ की मदद ली। कंसल्टेंट ने गोपनीय रिपोर्ट में बताया कि उनके असंतोष का कारण वेतन-भत्ते नहीं, बल्कि ये है कि वह अपने बच्चे के साथ क्वालिटी टाइम नहीं बिता पा रहे हैं। वह उस 'कॉर्पोरेट ट्रैप' में फंसे थे, जहां हर समय उपलब्ध रहना पड़ता है, बड़ी टीम के साथ लगातार संपर्क में रहना पड़ता है और इसीलिए उनके पास बच्चे के लिए मानसिक ऊर्जा बचती ही नहीं थी। वह लगातार नींद की कमी से जूझ रहे थे और यह उनके 'उम्रदराज पैरेंट' होने का परिणाम था। उनका बच्चा जब पैदा हुआ था तो वह 41 के और पत्नी 40 वर्ष की थीं। 12 साल बाद, कैरिअर के सबसे महत्वपूर्ण दौर और छोटे बच्चे की परवरिश की हाई-एनर्जी डिमांड के बीच संतुलन बना पाना उनके लिए बौझ बन गया है। यह उस व्यापक संकट की झलक है, जिससे आज कई उम्रदराज पैरेंट्स गुजर रहे हैं। आज बहुत-से लोग देरी से पैरेंट्स बन रहे हैं। लेकिन फिर उन्हें निजी समय की कमी, सामाजिक दबाव और गंभीर आर्थिक चुनौतियों जैसी अप्रत्याशित हकीकतों का सामना करना पड़ रहा है। कई लोग ऐसे समय में बच्चों की परवरिश का भारी खर्च उठा रहे हैं, जब उन्हें रिटायरमेंट के लिए बचत बढ़ानी चाहिए या उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य

समस्याओं को मैनेज करना चाहिए। नतीजनन, कुछ लोगों को सर्वाधिक कमाई वाले वर्षों में भी अपने प्रोफेशन से पीछे हटने के बारे में सोचना पड़ता है। काम

विक कैरिअर संबंधी महत्वाकांक्षाओं और फाइनेंशियल सिक्वोरिटी की चाह में 35 और 40 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं में

### केवल दक्षिण ही नहीं, देश के हर कोने में घट रही है आबादी

योजनाओं को बेहतर ढंग से आकार देने के लिए हमें विश्वसनीय जनसंख्या अनुमानों की आवश्यकता होती है। किंतु भारत के जनसांख्यिकीय अनुमान- जिन्हें स्वयं संयुक्त राष्ट्र



विकास कार्यक्रम (यूनडीपी) ने तैयार किया है- एक चिंताजनक कहानी बताते हैं। ये अनुमान संभवतः 10 करोड़ लोगों और कई दशकों तक की अवधि के संदर्भ में गलत सिद्ध हो सकते हैं। इसका दोष सरकार पर आता है, जिसने 2021 में जनगणना आयोजित नहीं की और उसके बाद वर्ष-दर-वर्ष उसे टालती रही। पिछली जनगणना 15 वर्ष पहले हुई थी। इसलिए सभी अनुमान एक पुरानी और अप्रासंगिक जनगणना के आंकड़ों पर आधारित रहे हैं। इस प्रक्रिया में, भारत ने भविष्य के 10 करोड़ संभावित नागरिकों को मानो परिदृश्य से बाहर कर दिया है- इनमें वे युवा उपभोक्ता और कामगार भी हैं, जो भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देने वाले थे और देश को विकसित राष्ट्र बनाने में योगदान देने वाले थे। जिस डेमोग्राफिक डिविडेंड की हम लंबे समय से प्रतीक्षा कर रहे थे, वह अचानक विलुप्त होता प्रतीत हो रहा है। पुराने और अप्रचलित आंकड़ों पर आधारित अनुमानों के अनेक जोखिम और दुष्परिणाम होते हैं। 2011 की जनगणना पर आधारित यूनडीपी के 2024 के अनुमानों के अनुसार भारत की जनसंख्या 2060 के दशक के प्रारम्भ में 1.7 अरब के शिखर पर पहुंचने वाली थी। किंतु हाल ही में जारी सैम्पल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) 2024 के प्रजनन-दर संबंधी आंकड़ों पर आधारित नए अनुमानों से संकेत मिलता है कि भारत की जनसंख्या इससे कहीं पहले लगभग 1.6 अरब के पीक पर पहुंच जाएगी। यह 2060 के दशक में नहीं बल्कि 2040 के दशक के मध्य में आसपास होगा। इसके बाद इसमें गिरावट शुरू होगी, और संभवतः यह गिरावट उस गति से भी अधिक तीव्र होगी, जिस गति से जनसंख्या बढ़ी थी।

एक अरसे के बाद मैंने सब्जी मार्केट में घेर रखा और मजा आ गया। मोटे-ताजे लाल टमाटर, खिलता हुआ फूलगोभी, हरा-भरा



फ्रेश पालक। ऐसा लगा कि हर सब्जी मुझसे बतिया रही है, जैसे कि किसी कार्टून फिल्म ने उन्हें जान दे दी हो। जैसे मनुष्य की अलग-अलग पर्सनैलिटी है, वैसे ही हर सब्जी की भी है। भिंडी थोड़ी इठलाती है- ले लो, मुझे ले लो। घर पर सब पसंद करते हैं मुझे। टमाटर में तो अकड़ है ही- मेरे बिना तो खाना ही नहीं बनेगा। आलू भी इसी कैटैगरी में है पर वो घमंडी नहीं। वो अकेले भी सुखी, दूसरों के साथ भी पुल-मिल जाता है। इसलिए हर किसी को भाता है। बैंगन धीरे से पुकारता है- ले लीजिए ना। कूट-कूट कर भुर्ता जिस दिन बनेगा, मेरा जीवन सफल होगा। उधर करेला देवदास बना बैठा है। लोग उसे ठुकरा देते हैं, कड़वा समझकर। लेकिन एक चुटकी अमचूर की कीमत तुम क्या जानो, बाबू। सही ढंग से बनाओ,

को- बिल्कुल अनपढ़, फिगर भी नहीं। सेम इत्यादि अन्य फलियों की बातचीत हल्दी-जीरे तक सीमित है। लेकिन फ्रेंच बीन्स का सोशल सर्कल बहुत बड़ा है। दुनिया के टॉप शेफ्स के साथ उसका उठना-बैठना है। चुलबुली गाजर और कॉन्फिडेंट ककड़ी-दोनों जानते हैं कि इनकी जगह तो फिक्स है। खाने के पहले आप उनका सेवन जरूर करते हैं। उनका दिल भी बड़ा है। सेहत के शौकीन आजकल जाने क्या-क्या खाने लगे हैं। नाजुक-सी, रंग-बिरंगी एनआरआई सब्जियों ने अब मार्केट में अपना स्थान जमा लिया है। ब्रोकोली, आइसबर्ग लेट्यूस, जुकीनी अब सब्जीवाले के ठेले पर मिल जाती हैं। यहां तक कि एवोकाडो भी अब देश का डार्लिंग है। इंस्टाग्राम पर उसकी इतनी प्री पब्लिसिटी हुई कि

लौकी- इनका देश प्रेम इतना है कि इन्होंने कभी पासपोर्ट बनवाया नहीं। विदेशी सुपरमार्केट में इनका नामोनिशान नहीं। इनके फैंन मिलना संकलन नहीं। जहां-जहां ये बनते हैं, जरूर कोई बड़े-बुजुर्ग रहते हैं। वो लौकी-टिंडा, जिन्हें बच्चे मुंह बनाकर खाते हैं- क्या उनके कोई अधिकार नहीं? कब तक वो दबे रहेंगे, आपकी थैली में, आपके फ्रिज में? क्या उनका दिल नहीं करता कि किसी अच्छे रेस्तरां के मेन्यू में उनका नाम दिखे? खैर, सब्जियों के बीच जादू-विवाद तो चलता रहता है। लेकिन उनका असली दुश्मन कौन है? पनीर। हर शादी में, हर पार्टी में, हर फंक्शन में उस हट्ठे-कट्ठे सफेद स्पंज ने मेन्यू पर कब्जा कर हुआ है। उसके आस-पास लोग मंडरा रहे हैं, येदी में से चुन-चुन कर खा रहे हैं। उसको कहते हैं शाही

पनीर, पनीर लबाबदार, पनीर पसंदा और हमें? मिक्स वेजिटेबल। कौन खाएगा? भाई समय आ गया है कि हम भी एक आंदोलन शुरू करें। आप लोग हमारी कदर कीजिए। मार्केट में आकर लीजिए। यह जो कल्चर है ऐप से मंगाने का, समय आ गया है वृुष्ठ समझाने का। प्लास्टिक में कैंद हमें वो करते हैं, अंदर ही अंदर से हम मरते हैं। कोई प्यार से हमें सहलाता नहीं, चुन-चुन कर थैली में डालता नहीं। गोदाम के अंधेरे में हम पड़े हुए हैं, हमारे कुछ साथी सड़े हुए हैं। कोई खूब पैसे बना रहा है, छोटा आदमी इसमें मारा जा रहा है। जब हो सके मंडी में आया करो, अपने बच्चों को साथ लाया करो। भिंडी कैसे चुनते हैं उन्हें सिखाना, धनियां और पुदीने में फर्क दिखाना। पुराने जमाने की आउटिंग थी सब्जी बाजार का चक्कर, आते हुए ले आना आटा और शक्कर। यह वो काम था जो जेंट्स भी करते थे, ऑफिस से लौटते हुए थैला भरते थे। अब बड़े शहरों में लोगों के पास टाइम नहीं। ऑनलाइन ऑर्डर करना लगता है सही। खैर मैंने तय किया है हर हफ्ते खुद जाऊंगी। अपनी पसंद की ताजी सब्जियां लाऊंगी। काट कर, घिस कर, कम तेल में काक कर। फ्लिगा मुझे सुख खा कर। वैसे पनीर भी अपनी जगह अच्छा है। प्रोटीन उसका सच्चा है। मगर सब्जी को भी हक दीजिए। अपने शरीर को चुस्त कीजिए। जब हो सके मंडी में सही। खैर मैंने तय किया है आया करो, बच्चों को साथ लाया करो। भिंडी कैसे चुनते हैं उन्हें सिखाना, धनियां-पुदीने में फर्क दिखाना। पुराने जमाने की आउटिंग थी सब्जी बाजार का चक्कर, आते हुए ले आना आटा और शक्कर। यह काम जेंट्स भी करते थे, ऑफिस से लौटते थैला भरते थे। (ये लेखिका के अपने विचार हैं, रश्मि बंसल)



का लगातार दबाव और नींद की कमी का विषाक्त गठजोड़ शारीरिक थकान को तेजी से बढ़ाता है। इसीलिए कई प्रमोटर्स और बॉस उनके बर्नआउट को अकसर 'असंतोष' मान लेते हैं। कैरिअर-ड्रिवन प्रोफेशनल्स का एक बड़ा वर्ग जानबूझकर देर से बच्चे पैदा कर रहा है। अमेरिका में 2025 में कुल जन्मों में 40 वर्ष या उससे अधिक उम्र की महिलाओं की हिस्सेदारी लगभग 4.3फीसदी रही। यह 1990 की महज 1.2फीसदी हिस्सेदारी की तुलना में नाटकीय बढ़ोतरी है। भारत के नेशनल डेटा बताते हैं कि देशभर के कुल प्रसवों में 40 से 44 वर्ष की महिलाओं के प्रसव 1फीसदी होते हैं। हालांकि, केवल राष्ट्रीय आँसत ही देखें तो जमीनी हकीकत नजर नहीं आती। महानगरों वें फर्स्टिलिटी क्लिनिकों की रिपोर्ट कहती है

आईवीएफ जैसी उन्नत प्रजनन प्रक्रियाओं की मांग साल-दर-साल 5फीसदी बढ़ रही है। यह प्रवृत्ति संकेत है कि अधिक उम्र में मातृत्व हासिल करने की सोच में बड़ा बदलाव आ रहा है।अध्ययन पुष्टि करते हैं कि इन उम्रदराज माँओं को तीखी तुलना झेलनी पड़ती है। उन पर लगातार बाहरी सलाहों और डिजिटल जानकारी की बाँछर होती रहती है, जिससे वे व्याकुल हो जाती हैं। पैरेंट्स का दबाव कोई नई बात नहीं। यह पीढ़ियों से चला आ रहा है, लेकिन आज यह कहीं अधिक दखल देने वाला लगता है, क्योंकि आधुनिक एगोरिदम ने इससे बच निकलना लगभग असंभव बना दिया है। खासकर इन्फ्लुएंसर के सोशल मीडिया अकाउंट्स ने इस चिंता को और बढ़ा दिया है कि बच्चों की परवरिश अब बेहद जटिल,

में मिलती थी। लेकिन आज पैरेंट्स लगातार ऐसी तस्वीरों से घिरे रहते हैं, जो बताती रहती हैं कि बच्चों के लिए उन्हें क्या करना चाहिए। यह डिजिटल दबाव उनमें अयोग्यता और अपराधबोध का भाव पैदा करता है। अधिकतर 'सुपरमाँम्स' की सोशल मीडिया फीड्स इसे और बढ़ाती हैं। जैसे ही कोई उम्रदराज पैरेंट्स थोड़ा आगे बढ़ते हैं कि डिजिटल इकोसिस्टम नई संवाकृतिक बहस खड़ी कर उनकी एंजायटी फिर बढ़ा देता है। फंडा यह है कि निस्संदेह देरी से मां बनने के कुछ खास फायदे हैं, लेकिन लगता है कि इस फैसले से पैदा होने वाली चुनौतियां उन फायदों पर भारी पड़ने लगी हैं। अपने विचार मुझसे साझा कीजिए कि आप अपने आसपास क्या देख रहे हैं। एन. रघुरामन

## जापानी पीएम की पीएम मोदी से बातचीत हुई शुरू, निवेश, रक्षा और सेमीकंडक्टर पर चर्चा, ताकाइची पहली बार भारत आइ

नई दिल्ली/टोकियो। इस व्यवस्था से विदेशी मुद्रा बदलने का खर्च कम होगा, पैसे भेजने की लागत घटेगी और भुगतान

देशों के 123 विदेशी बैंकों के लिए भारत के 26 बैंकों में 156 विशेष रुपी वोस्त्रो खाते खोले जा चुके हैं। आरबीआई का

जगत के प्रतिनिधियों से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा क्वाड, हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा और रणनीतिक सहयोग को



पहले के मुकाबले जल्दी हो सकेगा। दोनों देशों को उम्मीद है कि इससे व्यापार करना आसान होगा और कंपनियों का समय और पैसा दोनों बचेंगे। 2025 में बनी थी सहमति, अब लागू करने की तैयारी-स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल को बढ़ावा

कहना है कि इससे अंतरराष्ट्रीय व्यापार में मजबूत विदेशी मुद्राओं पर निर्भरता कम होगी और रुपए का वैश्विक इस्तेमाल बढ़ेगा। जापान भी एशिया के दूसरे देशों के साथ स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा दे रहा है। दिसंबर 2025 में उसने

लेकर भी चर्चा होने की संभावना है। भारत-जापान व्यापार की 5 खास बातें-जापान भारत में निवेश करने वाला पांचवां सबसे बड़ा देश है। मार्च 2026 तक उसका कुल निवेश रु.4.58 लाख करोड़ पहुंच चुका था। भारत-जापान



देने के लिए जापान का वित्त मंत्रालय वित्त वर्ष 2026 के दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के साथ एक सहयोग समझौता करने की तैयारी में है। यह प्रस्ताव पूरी तरह नया नहीं है। अगस्त 2025 में प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अगले 10 वर्षों के लिए साझा विज्ञान दस्तावेज जारी किया था। उसमें भी पेमेंट सिस्टम और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने की बात कही गई थी। अब उसी योजना को आगे बढ़ाया जा रहा है। भारत भी पिछले कुछ वर्षों से रुपए में अंतरराष्ट्रीय व्यापार को बढ़ावा दे रहा है। जुलाई 2022 में आरबीआई ने 'स्पेशल रुपी वोस्त्रो अकाउंट' शुरू किया था, ताकि दूसरे देशों के साथ रुपए में व्यापार हो सके। बाद में इस व्यवस्था का दायरा बढ़ाया गया और विदेशी बैंकों को इन खातों में जमा अतिरिक्त रकम भारतीय सरकारी बैंड में निवेश करने की भी अनुमति दी गई। भारत पहले से बढ़ा रहा रुपए में कारोबार-संसद में सरकार ने बताया था कि अब तक 30

इंडोनेशिया के साथ भी ऐसा ही समझौता किया था, जिससे दोनों देशों के बीच स्थानीय मुद्राओं में सभी तरह के लेनदेन को बढ़ावा दिया जा सके। भारत में बढ़ रहा जापानी निवेश- भारत और जापान के आर्थिक रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं। वित्त वर्ष 2025-26 में दोनों देशों के बीच 27.5 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। अप्रैल से दिसंबर 2025 के बीच जापान ने भारत में 3.2 अरब डॉलर का निवेश किया। वहीं जापान अगले 10 वर्षों में भारत में 61 अरब डॉलर से ज्यादा निवेश करने का लक्ष्य भी तय कर चुका है। फिलहाल भारत में करीब 1,400 जापानी कंपनियों काम कर रही हैं, जिनमें लगभग आधी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर से जुड़ी हैं। जापान मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना समेत कई बड़े इफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में भी निवेश कर रहा है। हाल ही में जापानी कंपनी ने यस बैंक में 20फीसदी हिस्सेदारी खरीदने के लिए 1.6 अरब डॉलर का निवेश भी किया है। दोनों नेता इस दौरान के दौरान उद्योग

ने साल 2025 में अगले 10 साल के लिए 10 ट्रिलियन जापानी येन (रु.5.84 लाख करोड़) के जापानी निजी निवेश का टारगेट तय किया। यह निवेश मुख्य रूप से सेमीकंडक्टर, वलीन एनर्जी और हाई-टेक डिफेंस उद्योगों में होगा। एक सर्वे के मुताबिक, जापानी कंपनियों के लिए भारत दुनिया का सबसे पसंदीदा और भरोसेमंद निवेश देश है।

भारत में व्यापार कर रही 75इ से ज्यादा जापानी कंपनियां मुनाफे में हैं। चीन पर वैश्विक निर्भरता को कम करने के लिए भारत और जापान ने सेमीकंडक्टर और क्रिटिकल मिनरल्स जैसे लीडियम, कोबाल्ट की सफाई चैन को मजबूत करने के लिए 2025 में एक विशेष रणनीतिक डायलॉग शुरू किया है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल प्रोजेक्ट पूरी तरह जापानी शिनकानसेन तकनीक और जापानी लोन की मदद से आगे बढ़ रहा है, जो दोनों देशों के सहयोग का सबसे बड़ा प्रतीक है।

## भागवत बोले- विभाजन के बाद जो लोग भारत आए वो शरणार्थी नहीं, उन्होंने संपत्ति नहीं, देश चुना

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि 1947 के विभाजन के बाद पाकिस्तान से भारत आने वाले लोगों को शरणार्थी कहना सही नहीं है। वे 'संघर्ष के योद्धा' थे, जिन्होंने कई पीढ़ियों की बनाई जमीन, कारोबार और संपत्ति छोड़कर भारत को चुना। उन्होंने कहा कि ये लोग इसलिए भारत आए, क्योंकि यहां बिना डर अपने धर्म का पालन कर सकते थे। भारत को एक रखने की लड़ाई हम सब हार गए थे, लेकिन उन्होंने अपना विश्वास नहीं छोड़ा। भागवत ने बुधवार को नागपुर में सिंधु एजुकेशन सोसाइटी के 75वें स्थापना दिवस समारोह में ये बातें कही। इसी दौरान



प्रचारक बैठक का भी ऐलान किया। भागवत बोले- शिक्षा सिर्फ नौकरी के लिए नहीं होनी चाहिए, स्पीच के 2 पॉइंट्स- शिक्षा का मकसद केवल रोजगार नहीं, अच्छे इंसान बनाना है। सही-गलत की पहचान सिर्फ किताबों से नहीं, बल्कि शिक्षकों के व्यवहार और उनके दिए

संस्कारों से भी होती है। इसान के हालात या किस्मत के सामने हार नहीं माननी चाहिए।

मुश्किलों से लड़ने वाला ही आगे बढ़ता है, जबकि चुनौतियों से भागने वाला पहले ही हार मान लेता है। प्रचारकों के जीवन पर आधारित 100 वीडियो जारी करेंगे-आरएसएस के शताब्दी वर्ष कार्यक्रमों के तहत भागवत शुक्रवार को प्रचारकों के जीवन पर आधारित 100 वीडियो जारी करेंगे। इसी दिन 'डॉ. हेडगेवार : आधुनिक

युग के शालिवाहन' शीर्षक यूट्यूब वीडियो का सार्वजनिक प्रसारण भी होगा। 5 जुलाई को वे नागपुर में 'सनमार्ग माईड वेल्नेस सेंटर' का उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी शामिल होंगे।

## खामेनेई के जनाजे में पीएम मोदी या विदेश मंत्री जायेंगे, राज्यपाल और राज्यमंत्री क्यों भेज रहे, क्या हैं स्ट्रैटेजी

नयी दिल्ली। अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या के 131 दिन बाद सुपर्द-ए-खाक किया जाना है। 6 दिन के राजकीय जनाजे में ईरान दुनियाभर से नेताओं को बुला रहा है। 23 जून

ऑफ कश्मीर में चांसलर बने। 2020 में बतौर सदस्य नेशनल डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी से जुड़े। फिलहाल बिहार के राज्यपाल हैं। डेलिगेशन में क्यों चुना गया- ईरान शिया बहुल

फिट बैठते हैं। सवाल-2: पीएम मोदी का बुलावा था, फिर वो खुद क्यों नहीं गए? जवाब: पहले जाहिर वजहों की बात। पीएम मोदी का शेड्यूल पहले से तय है। 1 से 3 जुलाई तक जापान



को राष्ट्रपति पेजेथिकयान ने पीएम मोदी को भी न्योता दिया ईरानी और भारतीय सूत्रों के मुताबिक भारत सरकार ने एक डेलिगेशन भेजने का फैसला

इस्लामिक देश है और अयातुल्ला खामेनेई शियाओं के सर्वोच्च धार्मिक और राजनीतिक नेता थे। संयद अता हसनैन भी शिया हैं। रिटायर्ड आर्मी अफसर और

की पीएम सुनाए ताकाइची भारत दौर पर रहेंगी, जिनसे पीएम मोदी मुलाकात करेंगे। 4 जुलाई को पीएम मोदी राजस्थान के जोधपुर जाएंगे। फिर 6 से 11 जुलाई

खुलकर ईरान के प्रतिरोध के साथ खड़े हैं। भारत इससे बचना चाहता है। 2. अचानक स्टैंड बदलने से आलोचना का खतरा: खामेनेई की मौत पर भारत ने चुप्पी साध रखी थी। 5 दिन बाद पहली सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी, जब विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने ईरानी दूतावास जाकर शोक जताया। अब 4 महीने बाद अचानक पीएम मोदी का खामेनेई के जनाजे में जाना पूरी तरह स्टैंड बदलना होगा। 3. साझेदार देशों को गलत मैसज जाने की चिंता: खामेनेई के जनाजे में पीएम मोदी की मौजूदगी भारत के साझेदार और ईरान के विरोधी देशों को नाराज कर सकती है। इनमें अमेरिका, इजराइल के अलावा सऊदी अरब, यूएई जैसे सुन्नी बहुल देश भी हैं। सवाल-3: ईरान को लेकर भारत के सामने दुविधा क्या है? जवाब: ईरान से जुड़ा हर फैसला भारत के लिए तीन मोर्चों पर एक साथ संतुलन मांगता है-1. आर्थिक दुविधा: ईरान की तरफ सूका, अमेरिका से खतरा- होर्मुज स्ट्रेट पर अब भी ईरान का कब्जा है। भारत का 40फीसदी कच्चा तेल, 50फीसदी एलएनजी और 90फीसदी एलपीजी इसी रूट से आता है। यहां जरा सी रुकावट

साझेदार है, जो हर मुश्किल वक्त में खुलकर साथ खड़ा रहा है। वहीं खाड़ी देशों में रह रहे 1 करोड़ से ज्यादा भारतीयों की सुरक्षा भी उतनी ही अहम है। जंग के दौरान भारत ने इजराइल या अमेरिका की आलोचना नहीं की, लेकिन खाड़ी देशों पर हुए हमलों की निंदा जरूर की। पाकिस्तान के ईरान के प्रति सहानुभूति दिखाने के बाद यूएई ने कई पाकिस्तानी वर्कर्स को डिपोर्ट कर दिया था। भारत ऐसी कोई गलती दोहराना नहीं चाहता। सवाल-4: क्या भारत अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच संतुलन बना पाएगा? जवाब: 1989 में जब ईरान के सुप्रीम लीडर अली खुमैनी की मृत्यु हुई थी, तो उनके अंतिम संस्कार में भारत ने विदेश मंत्री पी. वी. नरसिंहा राव को भेजा था।

2024 में जब ईरान के राष्ट्रपति अब्राहिम रइसी की हेलिकॉप्टर क्रैश में मौत हुई थी, तो भारत के उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ अंतिम संस्कार में शामिल हुए थे। लेकिन इस बार ईरान के सुप्रीम लीडर के अंतिम संस्कार में किसी मंत्री स्तर के नेता को नहीं भेजा जा रहा है। प्रो. पी.आर. कुमारस्वामी मानते हैं कि ईरान का भारत को खामेनेई के अंतिम संस्कार का न्योता देना एक चतुर कूटनीतिक कदम है। क्योंकि ऐसे राजकीय अंतिम संस्कारों में पूरी दुनिया की नजर होती है और मेजबान देश ये परखता है कि कौन उसके साथ खड़ा है। स्ट्रैटजिक एक्सपर्ट डॉ. ब्रह्मा चेलांनी के मुताबिक, ईरान जा रहे डेलिगेशन से पता चलता है कि पीएम मोदी का झुकाव अब भी अमेरिका-इजराइल की तरफ है। ऊंचे स्तर के प्रतिनिधियों को न भेजकर, भारत अमेरिका-इजराइल को नाराज न करने की कोशिश कर रहा है। आलोचक इस फैसले को जरूर इस नजर से देखेंगे कि अमेरिका और इजराइल भारत की ईरान नीति पर असर डाल रहे हैं। प्रो. राजन कुमार बताते हैं कि ईंधन और चाबहर पोर्ट प्रोजेक्ट के लिए भारत को ईरान की जरूरत है। लेकिन यह भविष्य की जरूरत है। तेल खरीदने के लिए भारत के पास और भी देश हैं। लेकिन अमेरिका भारत का दूसरा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है। उसका हमारे पास विकल्प नहीं है। इसे ट्रेड ऑफ कहते हैं, जिसमें हम देखते हैं कि किसी फैसले से कितना नुकसान और कितना फायदा होगा। अभी भारत अमेरिका-इजराइल को नाराज नहीं कर सकता इसलिए सीनियर नेता को न भेजने का फैसला लिया गया। प्रो. कुमार मानते हैं कि ईरान भी भारत की मजबूरी को समझता है। वो जानता है कि भारत के अमेरिका और इजराइल से अच्छे संबंध हैं, लेकिन भारत नहीं चाहता की ईरान पर हमला हो। ईरान भारत को एक बड़े मार्केट के रूप में देखता है। इसलिए वह खुद भी चाहेगा कि भारत से संबंध अच्छे बने रहें। सवाल-5: खामेनेई के अंतिम संस्कार में क्या-क्या होना है? जवाब: 28 फरवरी को खामेनेई की मौत के बाद, 4 मार्च को उनका अंतिम संस्कार होना था लेकिन लगातार होते हमलों की वजह से यह टल गया। अब 4 जुलाई को अंतिम संस्कार कार्यक्रम की शुरुआत होगी- सबसे पहले खामेनेई के शव को 4 और 5 जुलाई को तेहरान में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा।

यह कार्यक्रम कम-से-कम 24 घंटे तक चलने की उम्मीद है। 6 जुलाई को तेहरान से उनका जुलूस निकाला जाएगा। तेहरान के मेयर अलीरेजा जकानी के मुताबिक इसमें 2 करोड़ लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। 7 जुलाई को पार्थिव शरीर को ईरान के धार्मिक शहर कोम ले जाया जाएगा। यह शिया इस्माल का बड़ा धार्मिक और शैक्षणिक केंद्र है। यहां से पार्थिव शरीर इराक के दो पवित्र शहरों नजफ और करबला ले जाया जाएगा। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने खुद यहां की तैयारियों का जायजा लिया है। 9 जुलाई को शव फिर ईरान के मशहद ले जाया जाएगा। मशहद खामेनेई का जन्म स्थल और शिया मुसलमानों का प्रमुख धार्मिक केंद्र है। यहां शिया इस्लाम के आठवें इमाम, इमाम रजा का मकबरा है। इमाम रजा की दरगाह में ही खामेनेई को दफनाया जाएगा।



किया, जिसमें न पीएम शामिल हैं और न विदेश मंत्री। खामेनेई के जनाजे में शामिल होने के लिए भारतीय डेलिगेशन में दो प्रमुख शख्सियतें हैं-1. ले. ज. (रि.) सैयद अता हसनैन, बिहार के राज्यपाल- रिटायर्ड लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन दूसरी पीढ़ी के आर्मी अफसर हैं। उनके पिता मेजर जनरल सैयद महदी हसनैन भी आर्मी में थे। 1974

राज्यपाल जैसा संवैधानिक ओहदा भी रखते हैं। 2. पबित्र मार्गरिटा, वैश्वीय विदेश राज्यमंत्री-राजनीति में आने से पहले पबित्र मार्गरिटा असमिया सिनेमा के मशहूर एक्टर, प्रोड्यूसर और डायरेक्टर थे। 2014 में वे बीजेपी से जुड़े। पबित्र ने पहले असम बीजेपी के संगठन में काम किया। सोशल मीडिया सेल के प्रभारी, प्रवक्ता और जिला

तक वे इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की यात्रा करेंगे। हालांकि एक्सपर्ट्स पीएम मोदी के ईरान न जाने के पीछे 3 छिपी वजहें भी बताते हैं। जेएनयू में मिडिल-ईस्ट स्टडीज के प्रोफेसर पी.आर. लुमारस्वामी और इंटरनेशनल स्टडीज के एसोसिएट प्रोफेसर राजन कुमार के मुताबिक-1. खामेनेई का जनाजा बेहद उग्र हो सकता है:

भारत में तेल संकट खड़ा कर सकती है। दूसरी तरफ अमेरिका भारत का बड़ा ट्रेड पार्टनर है, और जल्द ही दोनों देशों के बीच बड़ी ट्रेड डील होने वाली है। यानी, ईरान से नाता टूटा तो ऊर्जा संकट, अमेरिका से दूरी बढ़ी तो व्यापार को नुकसान। 2. सांस्कृतिक दुविधा: भारतीय लोगों की हमदर्दी ईरान के साथ-भारत और ईरान के रिश्ते



में हसनैन गढ़वाल राइफल्स में काम करते थे। जम्मू-कश्मीर, सियाचिन, श्रीलंका, पंजाब और नॉर्थ-ईस्ट में तैनात रहे। 2010

प्रभारी रहे। 2022 में राज्यसभा सांसद बने। इसी साल असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा के पॉलिटिकल सेक्रेटरी नियुक्त किए

खामेनेई की मौत एक हमले में हुई है। शिया परंपरा के मुताबिक उनका जनाजा सिर्फ एक शोक सभा नहीं, बल्कि न्याय और

सदियों पुराने हैं। भाषा, व्यापार और सभ्यता के स्तर पर गहरे जुड़े हैं। यही वजह है कि जंग के दौरान भी भारत ने ईरान की



में जम्मू-कश्मीर की 15 कोर (चिनार कोर) की कमान संभाली। करीब 40 साल तक सेना में रहे। एंटी-टेरिज्म, स्ट्रैटजी और डिफेंस एक्सपर्ट माने जाते हैं। रिटायरमेंट के बाद 2018 में वे सेंट्रल यूनिवर्सिटी

गए। फिलहाल मोदी कैबिनेट में विदेश और कपड़ा राज्यमंत्री हैं।डेलिगेशन में क्यों चुना गया: सीधे विदेश मंत्रालय का हिस्सा हैं। हाई प्रोफाइल भी नहीं हैं और न ज्यादा लो-प्रोफाइल। ईरान को लेकर भारत के मौजूदा स्टैंड पर

प्रतिरोध का धार्मिक और राजनीतिक रूप ले लेगा। 6 दिन के अंतिम संस्कार में लोग मुहर्रम की तरह विलाप करेंगे और खुद को पीटेंगे। ये बहुत ज्यादा उग्र होगा। इसमें शामिल होने का मतलब होता कि पीएम मोदी भी

खुलकर निंदा नहीं की। खामेनेई की मौत पर भी भारत ने सीधी चुप्पी नहीं, बल्कि शालीन शोक जताया। 3. रक्षा दुविधा: इजराइल बड़ा डिफेंस पार्टनर, खाड़ी देशों में भारतीय-इजराइल भारत का भरोसेमंद रक्षा

स्वताधिकारी  
एवं मुद्रक  
डॉ. दीपक अरोरा  
द्वारा रामा प्रिंटर्स  
53/25/1 ए बेली रोड  
न्यू कटरा प्रयागराज  
(उ.प्र.) 211002 से  
मुद्रित एवं सी-41यूपी  
एसआईडीसी औद्योगिक  
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।  
संपादक/प्रकाशक  
डा.पुनीत अरोरा  
मो.नं.09415608710  
RNINO.UPHIN/2015/63398  
[www.adhuniksamachar.com](http://www.adhuniksamachar.com)  
नोट:- इस समाचार पत्र में  
प्रकाशित समस्त समाचारों के  
चयन एवं सम्पादन हेतु  
पी0आरबी0 एक्ट के अन्तर्गत  
उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न  
समस्त विवाद इलाहाबाद  
न्यायालय के अधीन ही होगा।

नोट:- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।